

प्रेषक,

उत्पल कुमार सिंह,
मुख्य सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

समस्त अपर मुख्य सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

समस्त प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

समस्त सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

समस्त प्रभारी सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

समस्त विभागाध्यक्ष,
उत्तराखण्ड।

सु0भ्र0उ0ज0 (सतर्कता) अनुभाग

देहरादून:दिनांक 14 मार्च, 2018

विषय-विभिन्न विभागों में प्रचलित अनुशासनिक कार्यवाही के मामलों के समयबद्ध निस्तारण के सम्बन्ध में

महोदय,

उपर्युक्त विषय के सम्बन्ध में यह अवगत कराना है कि शासन की सदैव यह मंशा रही है कि सरकारी कर्मचारियों के विरुद्ध प्रचलित अनुशासनिक कार्यवाही को समयबद्ध रूप से निस्तारित किया जाये। अनुशासनिक कार्यवाही के समयबद्ध निस्तारण हेतु कार्मिक विभाग द्वारा विभिन्न शासनादेशों के माध्यम से समय सारिणी निर्धारित करते हुए प्रत्येक अनुशासनिक कार्यवाही का अनुश्रवण करने की व्यवस्था निर्धारित की गयी है। जिसमें अनुशासनिक कार्यवाही का रजिस्टर तैयार किये जाने, कार्यवाहियों के समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने, उनके अनुश्रवण हेतु नोडल अधिकारी नामित किये जाने, समय-सारिणी का पालन न करने वाले अधिकारी के विरुद्ध विभागाध्यक्ष द्वारा प्रत्येक माह सचिव स्तर पर आख्या प्रस्तुत करने और जिन प्रकरणों में विलम्ब दृष्टिगोचर हो उसकी आख्या मुख्य सचिव स्तर पर भेजे जाने का प्राविधान है।

2. यह अनुभव किया जा रहा है कि अनुशासनिक कार्यवाही के मामलों में समय सारणी का भी कड़ाई से अनुपालन नहीं किया जा रहा है। अनुशासनिक कार्यवाही के मामले में विलम्ब होने से इस बात की पर्याप्त सम्भावना बनी रहती है कि सम्बन्धित आरोपों को सिद्ध कर सकने वाले साक्ष्य ही मिट जाएं और दोषी सरकारी सेवक दण्ड पाने से बच जाये। साथ ही अनुशासनिक जांच के लम्बे समय तक चलते रहने से आरोपित सरकारी सेवक के पदोन्नति आदि के सेवा सम्बन्धी मामले लम्बे समय तक लम्बित रहते हैं, जिससे आरोपित सरकारी सेवक में कुंठा उत्पन्न होती है और कांडर मैनेजमेन्ट में भी समस्याएं उत्पन्न होती हैं।

3. उपरोक्त के दृष्टिगत मुझे यह यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया अपने नियंत्रणाधीन समस्त विभागों के, शासन स्तर एवं विभाग स्तर पर प्रचलित अनुशासनिक कार्यवाहियों के समयबद्ध निस्तारण हेतु नोडल अधिकारी शीघ्र नामित करते हुए प्रकरणों की स्वयं समीक्षा कर लें। लम्बे समय से लम्बित अनुशासनिक कार्यवाहियों के लम्बित रहने के कारणों को दूर करते हुए उनका शीघ्र निस्तारण कराना सुनिश्चित करने का कष्ट करें साथ ही अपने विभाग में प्रचलित अनुशासनिक कार्यवाहियों की त्रैमासिक सूचना 31 मार्च, 30 जून, 30 सितम्बर एवं 31 दिसम्बर तक निम्नांकित प्रारूप पर सतर्कता विभाग को भी अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

ऐसे प्रकरण जिनमें वर्तमान में जांच की कार्यवाही गतिमान है:-

क0सं0	अधिकारी का नाम	पदनाम	जांच से सम्बन्धित आरोपों का विवरण	जांच अधिकारी का नाम तथा पदनाम	आरोप पत्र निर्गत करने की तिथि	अद्यतन स्थिति
-------	----------------	-------	-----------------------------------	-------------------------------	-------------------------------	---------------

भवदीय,
(उत्पल कुमार सिंह)
मुख्य सचिव